मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 96 ■ गुरुवार, 26 जून 2025 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

'जन नायकन' से फिल्मों को अलविदा कहेंगे विजय

क्राइम डायरी...

पानी में डूबने से युवक की मौत

अंबरनाथ. हाजीमलंग के पास नदी में तैरने के लिए गया 28 वर्षीय युवक डूब गया। पानी का स्तर अप्रत्याशित होने के कारण युवक पानी में डूब गया। मानसून पर्यटन के लिए मशहूर हाजीमलंग इलाके में हर साल हजारों पर्यटक आते हैं। इस मानसून सीजन की यह पहली घटना है। इसलिए एहतियात बरतने की अपील की जा रही है।

अंबरनाथ तालुका अपने हरे-भरे पहाड़ों, झरनों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। मानसून के मौसम में प्रकृति और भी अधिक मनमोहक होती है। इसलिए मानसून की शुरुआत के साथ ही पर्यटकों ने तालुका के विभिन्न मानसून प्रकृति पर्यटन स्थलों की ओर रुख करना शुरू कर दिया है। अंबरनाथ तालुका में हाजीमलंग भी एक दर्शनीय क्षेत्र है। यहां प्रकृति का आनंद लेने के लिए आने वाले कई पर्यटक नदी के किनारे तैरने के लिए उतर जाते हैं। हालांकि, अप्रत्याशित जलस्तर के कारण कल्याण पूर्व के चिंचपाड़ा में रहने वाले युवक सुशील गवली की मौत हो गई है।

म्हारल, वरप, कांबा को अलग नगरपालिका बनाने की मांग

- विधायक किसन कथोरे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से की मांग
- तेजी से हो रहा शहरीकरण, बढ़ रही आबादी
- ग्राम पंचायत सुविधाएं देने में असफल

वांगणी के लिए अलग नगर पंचायत की मांग

वांगणी को अब बदलापुर के बगल में एक स्टेशन के रूप में देखा जा रहा है। यहां कई बड़ी आवासीय परियोजनाएं आई हैं। हालांकि, यहां कई तरह की समस्याएं बढ़ गई हैं। अतिक्रमण, फर्जी दस्तावेज, संकरी सड़कें, पानी और कचरे की समस्या के कारण वांगणी गांव को योजनाबद्ध विकास की जरूरत है। इसलिए वांगणी को नगर पंचायत बनाने की मांग की जा रही है।

म्हारल, वरप, कांबा संयुक्त नगरपालिका

कल्याण-अहिल्यानगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित म्हारल, वरप और कांबा गांव अब कस्बों के रूप में विकसित हो रहे हैं। उल्हासनगर महानगरपालिका की दहलीज पर स्थित ये गांव अब शहर बनकर उभर रहे हैं। यहां लाखों रुपये के घरों वाली आवासीय परियोजनाएं विकसित की गई हैं। इस क्षेत्र में नामचीन स्कूल भी चल रहे हैं। रेलवे और सड़क जैसे परिवहन के साधनों के कारण कई लोगों का इस क्षेत्र में घर खरीदने की ओर रुझान बढ़ा है। हालांकि, यह पहले ही सामने आ चुका है कि ग्राम पंचायत प्रशासन को वित्तीय बाधाओं के कारण यहां नागरिक सुविधाएं प्रदान करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

उल्हासनगर. मुरबाड विधानसभा क्षेत्र के विधायक किसन कथोरे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्र से सटे कल्याण-अहिल्यानगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित म्हारल, वरप और कांबा गांवों को मिलाकर नगर पालिका बनाने की मांग की है। बढ़ते शहरीकरण के कारण ग्राम पंचायतों को इन गांवों में सुविधाएं देने में संघर्ष करना पड़ रहा है और वित्तीय कठिनाइयां भी उत्पन्न हो रही हैं। इसलिए अंबरनाथ तालुका में म्हारल, वरप, कांबा, वांगणी, कल्याण तालुका में खडवली, शाहपुर तालुका में आसनगांव और वासिंद को नगर पंचायत बनाने की मांग की गई है।

ठाणे जिला सबसे अधिक शहरीकरण से गुजरने वाला जिला है। ठाणे जिले में राजमार्ग विस्तार, सड़क चौड़ीकरण और कई अन्य कार्य चल रहे हैं, जिससे यहां निर्माण क्षेत्र को बढ़ावा मिला है। जैसे-जैसे महानगरपालिकाओं की क्षमता समाप्त हो रही है, बाहरी इलाकों में ग्राम पंचायत क्षेत्रों में निर्माण क्षेत्र का विस्तार हो रहा है। ठाणे जिले के लगभग सभी तालुकाओं में शहरीकरण तेजी से हो रहा है। इसके कारण ग्राम पंचायत क्षेत्रों में गगनचुंबी इमारतें बनाई जा रही हैं। कई ग्राम पंचायतों में चालों की संख्या बढ़ गई है। इस आबादी को सुविधाएं प्रदान करना ग्राम पंचायतों के लिए मुश्किल हो रहा है। अपर्याप्त जलापूर्ति, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के मुद्दे, सड़कें और अन्य आंतरिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए ग्राम पंचायतें संघर्ष कर रही हैं। ग्राम पंचायतों की वित्तीय स्थिति भी इन सुविधाओं को प्रदान करने की नहीं है। इसके कारण ग्राम पंचायत क्षेत्र के विकास में भी सीमाएं हैं। इनमें कल्याण तालुका में और उल्हासनगर महानगर पालिका के बाहरी इलाके में म्हारल, वरप, कांबा, अंबरनाथ तालुका में और बदलापुर शहर के करीब वांगनी, शाहपुर तालुका में मुंबई-आगरा राजमार्ग पर और अब समृद्धि राजमार्ग के बगल में वासिंद व आसनगांव ग्राम पंचायतें शामिल हैं। इसलिए मुरबाड विधानसभा क्षेत्र के विधायक किसन कथोरे ने राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से इन ग्राम पंचायतों को नगर पंचायत घोषित करने की मांग की है।

अंबरनाथ नगर परिषद के

52 सफाई मजदूरों को दिया गया नौकरी का आदेश पत्र

मजदूरों में खुशी की लहर

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. लाड समिति की सिफारिश के अनुसार सफाई मजदूर के पद पर वारिस हक कायदे के अनुसार हक की नौकरी आदेश पत्र अंबरनाथ नगर परिषद के हक के वारिसों को विधायक डॉ. बालाजी किणीकर व अन्य नेताओं के हाथों दी गई.

पहले चरण में कुल 52 वारिसों को नौकरी का आदेश पत्र दिया गया. नौकरी को प्राप्त करने के लिए गत कई वर्षों से प्रयास कर रहे मजदूरों के चेहरे पर खुशी और आंख से खुशी के आंसू छलक पड़े. मजदूरों ने सरकार का आभार व्यक्त किया है. महाराष्ट्र राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं अब उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आदेश से सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के सहकार्य से एवं डॉ. बालाजी किणीकर के प्रयास से पूर्व महाराष्ट्र के महानगर पालिका, नगर परिषद एवं अंबरनाथ नगर परिषद के लाड समिति सिफारिश अनुसार मजदूरों को नौकरी का आदेश पत्र दिया गया है. मजदूरों को नौकरी मिलने पर खुशियां मनाने लगे और आभार व्यक्त किया.

मुख्याधिकारी एवं प्रशासक उमाकांत गायकवाड़, पूर्व नगराध्यक्ष सुनिल चौधरी, प्रज्ञा बनसोडे, पूर्व उप नगराध्यक्ष अब्दुल शेख, श्रीनिवास वाल्मीकि, संदीप मांजरेकर, सुभाष सालुंखे, उमेश गुंजाल, उमर इंजीनियर, सुरेंद्र यादव, उत्तर भारतीय प्रमुख प्रमोद कुमार चौबे, मीना वालेकर, सुवर्णा सालुंखे, निखिल चौधरी के हाथों मजदूरों को आदेश पत्र दिया गया है. नगर परिषद के अधिकारी भी उपस्थित रहे.

मुंब्रा की 17 इमारतों पर चला मनपा का बुलडोजर

ठाणे. ठाणे मनपा ने दूसरे दिन भी ध्वस्तीकरण अभियान चलाया. बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर खान कंपाउंड में अंडरवर्ल्ड से जुड़ी करीब 17 अवैध इमारतों को गिराया जा रहा है. इन इमारतों में रहने वाले लोगों ने अभियान को लेकर नाराजगी जताई.

मनपा की कार्रवाई पर लोगों ने अपनी चिंता जाहिर की और सवाल उठाए. इमारतों में रहने वाले लोगों ने दावा किया कि उनके पास फ्लैट के सभी दस्तावेज हैं. कई लोगों ने तो पिछले छह महीने में अपनी मेहनत की कमाई से 18 लाख, 15 लाख रुपये देकर फ्लैट खरीदे हैं. कई लोगों ने आरोप लगाए कि ठाणे मनपा के अधिकारियों की मिलीभगत से ही ये सब हुआ है. उन लोगों ने इससे पैसे कमाए और अब हमें बेघर कर रहे हैं. दूसरी तरफ, ध्वस्तीकरण अभियान के प्रभारी ठाणे मनपा के उपायुक्त ने कहा कि हम केवल बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेशों का पालन कर रहे हैं.

उल्हासनगर मनपा के प्रशासनिक भवन को मंजूरी

- 50 करोड़ की निधि से होगा मनपा भवन का पुनर्निर्माण

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका के पुराने प्रशासनिक भवन के पुनर्निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। नगरीय विकास विभाग ने इस भवन के काम के लिए 50 करोड़ की निधि मंजूर की है। नगरीय विकास विभाग ने हाल ही में इसे मंजूरी दी है। पिछले कई दिनों से उल्हासनगर महानगरपालिका के प्रशासनिक भवन के निर्माण के लिए निधि की मांग की जा रही थी। आखिरकार इस मंजूरी के साथ ही प्रशासनिक भवन का निर्माण शुरू हो जाएगा।

उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्र में खतरनाक इमारतों का मुद्दा पिछले कई सालों से चर्चा में है। विभिन्न कारणों से शहर में पुरानी इमारतों के पुनर्विकास का मुद्दा अटका हुआ है। इसके कारण शहरवासी जान जोखिम में डालकर इमारतों में रह रहे हैं। इसके अलावा शहर की रीढ़ कहे जाने वाले उल्हासनगर महानगरपालिका के प्रशासनिक भवन में भी पिछले कुछ सालों में कई हादसे हुए हैं। कभी छत का प्लास्टर तो कभी छत का हिस्सा पहले भी गिर चुका है। इसलिए पिछले कई वर्षों से प्रशासनिक भवन के पुनर्निर्माण की मांग की जा रही थी।

उल्हासनगर में 1960 में नगरपालिका की स्थापना हुई थी। उसके बाद 1964 में नगरपालिका भवन का निर्माण हुआ। उसके बाद 1987 में नगरपालिका ने इस जमीन का कब्जा हासिल कर लिया। इस साल फरवरी 2020 में नगरपालिका को इस जमीन का आधिकारिक स्वामित्व मिला है। जिस जमीन पर मुख्यालय स्थित है, उसका स्वामित्व पाने में नगरपालिका प्रशासन को 33 साल लग गए। आज भी उल्हासनगर महानगरपालिका भवन को देखें तो पता चलता है कि भवन का निर्माण अधूरा है।

आगामी समय में और निधि उपलब्ध होगी

संकरे प्रवेश द्वार और विस्तार की सीमा के कारण इस भवन के पुनर्निर्माण की मांग की जा रही थी। आखिरकार नगर विकास विभाग ने इस काम के लिए 50 करोड़ रुपये की निधि मंजूर की है। स्थानीय सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने इस बारे में जानकारी दी है। नगर विकास विभाग ने इस निधि से 50 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं, जो महानगरपालिका क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए विशेष प्रावधान है। यह निधि का पहला चरण है और आने वाले समय में नगर निगम के निर्माण के लिए अधिक निधि उपलब्ध कराई जाएगी, ऐसी जानकारी सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने भी दी है।

स्कूल वैन ने रिक्शा को मारी टक्कर

- अवैध स्कूली वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

अंबरनाथ. परिवहन विभाग की अवैध स्कूली वाहनों के खिलाफ चल रही कार्रवाई के दौरान स्कूली छात्रों को ले जा रहे एक चार पहिया वाहन चालक ने कार्रवाई से बचने के लिए लापरवाही से वाहन चलाया, जिससे अंबरनाथ पश्चिम में दुर्घटना हो गई। सौभाग्य से, दुर्घटना में कोई स्कूली छात्र घायल नहीं हुआ। चंद पैसों के लिए छोटे बच्चों की जान जोखिम में डालने वाले चालक के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है। ऐसे अवैध वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है।

पिछले दो दिनों से कल्याण उपक्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों ने कल्याण परिमंडल क्षेत्र में स्कूली छात्रों को ले जा रहे अवैध वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। इस अभियान के दौरान अंबरनाथ शहर में एक दुर्घटना हुई। जब परिवहन विभाग अंबरनाथ पश्चिम में फातिमा स्कूल के पास अभियान चला रहा था, उसी दौरान एक चार पहिया वाहन चालक ने अधिकारियों को देखकर विपरीत दिशा में वाहन चलाया। वह सामने से आ रहे एक रिक्शा से टकरा गया। इस दुर्घटना में चार पहिया वाहन में सवार छात्रों को मामूली चोटें आईं। टक्कर के कारण रिक्शा में सवार यात्रियों को भी चोटें आईं। परिवहन विभाग के कर्मचारियों ने तत्काल वाहन को रुकवाया और विद्यार्थियों से पूछताछ की। साथ ही संबंधित चालक के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस हादसे के बाद स्कूली विद्यार्थियों को अवैध रूप से परिवहन करने वाले चालकों के खिलाफ रोष व्यक्त किया जा रहा है।

सैकड़ों घरों में इलेक्ट्रॉनिक सामान क्षतिग्रस्त

- बिजली का लोड बढ़ने से लोगों का भारी नुकसान
- शिवसेना-युवा सेना ने मुआवजे के लिए कार्यकारी अभियंता को सौंपा ज्ञापन

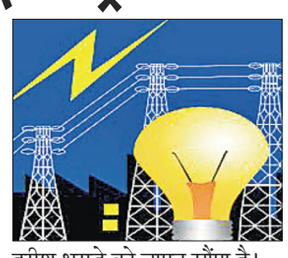

उल्हासनगर. लगातार बारिश में बिजली गुल होने और शनिवार (21) को अचानक बिजली का लोड बढ़ने से 100 से अधिक घरों में इलेक्ट्रॉनिक सामान क्षतिग्रस्त हो गए। शिवसेना और युवा सेना ने सामान के नुकसान का मुआवजा दिलाने के लिए महावितरण कार्यालय में कार्यकारी अभियंता हरीश भराड़े को ज्ञापन सौंपा है।

पिछले कुछ दिनों से कैंप क्रमांक एक के तानाजी नगर, गणगौर चौक क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बार-बार बाधित होने से नागरिक चिंतित हैं। इस बीच, शनिवार को अचानक बिजली आपूर्ति बढ़ने से 100 से अधिक घरों में टीवी, फ्रिज, वाटर हीटर, वाई-फाई राउटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बड़ा नुकसान पहुंचा है। इससे स्थानीय नागरिकों में रोष की भावना पैदा हो गई है।

इस घटना के बाद शिवसेना शाखा प्रमुख केशव ओवलेकर ने तत्काल महावितरण के कर्मचारियों से संपर्क कर उन्हें इसकी जानकारी दी, लेकिन कोई जवाब न मिलने पर सोमवार (23 जून) को उप जिला प्रमुख दिलीप गायकवाड़, युवा सेना शहर अध्यक्ष बाला श्रीखंडे और शाखा प्रमुख केशव ओवलेकर ने क्षतिग्रस्त घरों का निरीक्षण किया। साथ ही बिजली बिल जमा करने के बाद महावितरण के कार्यकारी अभियंता हरीश भराड़े को ज्ञापन सौंपा और चेतावनी दी कि जल्द से जल्द मुआवजा दिलवाएं, नहीं तो आंदोलन करेंगे।

सफाई की अनदेखी की तो भरना होगा जुर्माना

- उल्हासनगर मनपा ने उठाए सख्त कदम
- 6 माह में 3,219 नागरिकों पर कार्रवाई
- 12.30 लाख रुपये का जुर्माना वसूला

उल्हासनगर. 'स्वच्छ शहर, सुंदर शहर' के सपने को साकार करने के लिए उल्हासनगर महानगरपालिका प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। शहर में प्रदूषण पर अंकुश लगाने, नागरिकों को स्वच्छता के नियमों का पालन कराने और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों पर तुरंत कार्रवाई करने के लिए आयुक्त मनीषा आव्हाले के मार्गदर्शन में जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जनवरी 2025 से अब तक कुल 3,219 नागरिकों पर जुर्माना लगाया गया है और 12,30,659/- रुपये का जुर्माना वसूला गया है।

23 जनवरी से 19 जून तक 'ग्रीन मार्शल टीम' के जरिए 2,836 लोगों से 9,33,850/- रुपये का जुर्माना वसूला गया, जबकि 01 जनवरी से 19 जून तक महानगरपालिका के जनस्वास्थ्य विभाग ने 383 लोगों पर 2,96,800 रुपये की कार्रवाई की है।

उल्हासनगर मनपा प्रशासन ने बताया कि यह कार्रवाई सिर्फ जुर्माने के लिए नहीं है, बल्कि नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के लिए की जा रही है। नागरिक अपने आस-पास, सड़क, गली, घर के सामने के क्षेत्र और सार्वजनिक स्थानों को साफ रखें, कचरा समय पर और सही जगह पर फेंके। कचरे को सही तरीके से वर्गीकृत करने का भी आग्रह किया गया। इस अभियान के तहत गंदगी फैलाने वालों, मलबा फेंकने वालों और प्लास्टिक बेचने पर प्रतिबंध लगाने वाले नागरिकों और व्यापारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

लोगों में जागरूकता लाना मुख्य उद्देश्य

मनपा ने नागरिकों की भागीदारी से उल्हासनगर शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वास्थ्य की दृष्टि से सुरक्षित रखने के लिए इस अभियान को लागू किया है। हमारा मुख्य उद्देश्य सिर्फ दंडात्मक कार्रवाई नहीं, बल्कि स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाना है। हम हर नागरिक से अनुरोध करते हैं कि कचरा कूड़ेदान और डस्टबिन में ही डालें, आस-पास के क्षेत्र को साफ रखें और नियमों का पालन करें। स्वच्छ उल्हासनगर हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। मनपा प्रशासन लगातार काम कर रहा है और नागरिकों के सहयोग से हम निश्चित रूप से एक आदर्श शहर का निर्माण करेंगे।

-मनीषा आव्हाले, मनपा आयुक्त

कल्याण-डोंबिवली में रिक्शा से सफर हुआ महंगा

- मीटर और शेयर किराए में 3 से 5 रुपए की बढ़ोतरी

कल्याण. जहां यात्री वर्ग रोजाना लगने वाले जाम से तंग आ चुका है, वहीं अब कल्याण आरटीओ क्षेत्र में रिक्शा किराए में बढ़ोतरी लागू कर दी गई है। मीटर में 3 रुपए और शेयर किराए में 3 से 5 रुपए की बढ़ोतरी होने से कल्याण-डोंबिवलीकरों के लिए रिक्शा से सफर करना भी महंगा हो गया है।

बढ़ती महंगाई, ईंधन और स्पेयर पार्ट्स की बढ़ती कीमतों के कारण रिक्शा चालकों समेत विभिन्न संगठनों ने किराया बढ़ोतरी की मांग की थी। इसी के तहत तीन महीने पहले इस किराया बढ़ोतरी की घोषणा की गई थी। हालांकि, रिक्शा मीटर के रीकैलिब्रेशन की प्रक्रिया पूरी होने तक इसे वास्तव में लागू नहीं किया गया था। अब चूंकि लगभग सभी रिक्शा का रीकैलिब्रेशन पूरा हो रहा है, इसलिए किराया बढ़ोतरी लागू कर दी गई है।

कल्याण आरटीओ क्षेत्र में आने वाले कल्याण, डोंबिवली, उल्हासनगर, अंबरनाथ समेत अन्य जगहों के रिक्शा चालकों ने किराया बढ़ाना शुरू कर दिया है। इस इलाके में बड़ी संख्या में मध्यमवर्गीय मजदूर वर्ग के लोग रहते हैं। रेलवे स्टेशनों तक उनकी अधिकांश यात्राएं शेयरिंग रिक्शा से होती हैं। कोरोना काल के बाद रिक्शा चालकों ने सीधे तौर पर 3 से 5 रुपये किराया बढ़ा दिया था। उसके बाद एक बार फिर रिक्शा चालकों ने 3 से 5 रुपये किराया बढ़ाने का फैसला किया है। इसलिए जहां शेयरिंग रिक्शा के लिए 15 रुपये वसूले जाते थे, वहीं अब 18 से 20 रुपये चुकाने होंगे।

एमएमआरटीए की बैठक में पारित प्रस्ताव के अनुसार मीटर वाले रिक्शा का किराया 23 रुपये से बढ़ाकर 26 रुपये कर दिया गया है। शेयरिंग रिक्शा का किराया कल्याण आरटीओ द्वारा तय किया गया है। यदि रिक्शा चालक तय दर से अधिक किराया लेते हैं तो कल्याण आरटीओ के व्हाट्सएप नंबर या ईमेल पर शिकायत की जानी चाहिए।

-आशुतोष बारकुल, उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, कल्याण

मीटर के किराए में वृद्धि हास्यास्पद!

दिलचस्प बात यह है कि रिक्शा चालकों ने मीटर के हिसाब से किराया तो बढ़ा दिया है, लेकिन हास्यास्पद बाद यह है कि कल्याण और डोंबिवली इलाके में रिक्शा चालक मीटर से नहीं चलते। रिक्शा चालक अपनी मर्जी से या फैसले से किराया वसूलते हैं। इसीलिए रिक्शा चालक संघ के पदाधिकारी संतोष नवले ने रिक्शा चालकों से आरटीओ द्वारा तय दर के हिसाब से किराया वसूलने की अपील की है।

पंजीयन व मुद्रांक विभाग में 'ग्रुप-डी' श्रेणी के

284 पदों के लिए ऑनलाइन परीक्षा 1 से 8 जुलाई तक

ठाणे. पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग में 'ग्रुप-डी' श्रेणी के 284 पदों पर भर्ती के लिए 22 अप्रैल 2025 को समाचार पत्र में विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। इस भर्ती प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार करने तथा ऑनलाइन परीक्षा आयोजित करने के लिए आईबीपीएस (बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान) को नियुक्त किया गया है। आईबीपीएस की ओर से 22 अप्रैल से 16 मई 2025 के मध्य ऑनलाइन आवेदन भरे जाने की व्यवस्था की गई है।

आईबीपीएस की वेबसाइट पर सफलतापूर्वक आवेदन पत्र भरने वाले तथा पात्र अभ्यर्थियों के लिए 1 जुलाई से 8 जुलाई तक ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा के लिए अभ्यर्थी को आईबीपीएस द्वारा उसके द्वारा पंजीकृत ई-मेल पते पर प्रवेश पत्र भेजा जाएगा। इस परीक्षा के लिए विभाग द्वारा किसी अन्य एजेंसी अथवा मध्यस्थ को नियुक्त नहीं किया गया है। यदि इस संबंध में किसी व्यक्ति, संगठन, मध्यस्थ अथवा ऐसे किसी व्यक्ति के का उपयोग किया जा रहा है, तो पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि कृपया ऐसे व्यक्ति अथवा संगठन से सावधान रहें।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

जानलेवा सफाई

यह एक बड़ी विडंबना है कि आज जब हम अर्थव्यवस्था की ऊंचाइयों को हासिल करने के दावे कर रहे हैं, उसमें आए दिन सीवर की सफाई करते लोगों की मौत की खबरें आती हैं। उत्तर प्रदेश के वृंदावन में सीवर की सफाई करने उतरे दो मजदूरों की मौत ने फिर यही दर्शाया है कि आर्थिक विकास के आंकड़ों की चकाचौंध में समाज के सबसे कमजोर तबकों की फिक्र करना जरूरी नहीं समझा जाता है। शनिवार को एक ठेकेदार के कहने पर सीवर की सफाई के लिए उसमें उतरे दो मजदूरों की जहरीली गैस की चपेट में आकर मौत हो गई।

मामले के तूल पकड़ने के बाद प्रशासन की ओर से इस संबंध में मामला दर्ज किए जाने और मुआवजा देने के आश्वासन जैसी औपचारिकताएं पूरी की गईं। मगर यह समझना मुश्किल है कि इस तरह सीवर की सफाई कराने पर रोक के बावजूद संबंधित सरकारी महकमे आखिर किन वजहों से पारंपरिक तरीकों से सीवर की सफाई और उसमें मरने वालों की त्रासदी की लगातार अनदेखी करते रहे हैं!

आखिर क्या वजह है कि सीवर में सफाई करने उतरे मजदूरों की जोखिम भरी जिंदगी और इस काम में उनके अस्तित्व और गरिमा के सवाल पर सोचना हमें जरूरी नहीं लगता? इस मसले पर शीर्ष अदालत के स्पष्ट निर्देश और तीखी टिप्पणियों के बावजूद सरकारों ने शायद ही कभी निजी ठेकेदारों के खिलाफ सख्ती बरतने, किसी की जिम्मेदारी तय करने और सीवर में जोखिम भरे हालात में किसी इंसान को उतारने पर रोक को लेकर गंभीरता दिखाई हो।

नतीजा यही है कि आजादी के सात दशक बाद आज भी अक्सर सीवर की सफाई के लिए उसमें उतरे मजदूर अपनी जान गंवा रहे हैं। विचित्र है कि एक ओर विज्ञान और तकनीक की उपलब्धियों की बदौलत कृत्रिम मेधा से सभी काम आसान होने और अंतरिक्ष तक में अनुसंधान की नई ऊंचाई छूने के दावे किए जा रहे हैं, दूसरी ओर अमानवीय हालात में कुछ लोगों को अपनी जान जोखिम में डाल कर सीवर में घुस कर उसकी सफाई करनी पड़ रही है। क्या ऐसा इसलिए हो पा रहा है कि इस समस्या के पीड़ित आमतौर पर समाज के सबसे कमजोर तबके से आते हैं?

लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं विदेश नीति पर सस्ती राजनीति

कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों को मोदी सरकार की विदेश नीति रास नहीं आ रही है। यह कोई नई-अनोखी बात नहीं। ऐसा पहले भी होता रहा है, लेकिन पहले आमतौर पर उस पर आम सहमति कायम होती थी, क्योंकि माना जाता था कि विदेश नीति सत्तारूढ़ दल की की नहीं, देश की होती है। अतीत में इस मान्यता के कुछ अपवाद भी दिखे। विदेश नीति के मामले में जो अपवाद हुआ करता था, वह अब नियम बन गया है। जब भाजपा विपक्ष में थी, तो उसे भी मनमोहन सरकार की विदेश नीति के कुछ मुद्दों पर गहरी आपत्ति थी। परमाणु उत्तरदायित्व विधेयक लंबे समय तक इसलिए विवादों से घिरा रहा, क्योंकि भाजपा और अन्य विपक्षी दलों को उसके कुछ प्रविधान पसंद नहीं थे। यह विधेयक कुछ संशोधनों के साथ पारित होकर कानून तो बना, लेकिन कहा जाता है कि इन संशोधनों के कारण ही विदेशी कंपनियों ने भारत में परमाणु रिएक्टर लगाने में रुचि नहीं दिखाई। जो भी हो, कुछ समय पहले मोदी सरकार ने यह संकेत दिया कि विदेशी परमाणु ऊर्जा कंपनियों को आकर्षित करने के लिए उक्त कानून में कुछ बदलाव हो सकता है। इस पर कांग्रेस ने भाजपा के 2010 के रवैये का हवाला देते हुए कहा था कि उसने तो यू-टर्न ले लिया।

2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद उसकी विदेश नीति पर लेकर विपक्ष की आपत्तियां लगातार बढ़ती और तीखी होती गई हैं। पाकिस्तान और चीन पर मोदी सरकार की नीति पर तो कुछ ज्यादा ही सवाल उठे। जब जम्मू-कश्मीर

से अनुच्छेद 370 निष्प्रभावी किया गया तो देश-दुनिया में हलचल मची। एक समय कांग्रेस के ही नेता कहते थे कि यह अनुच्छेद घिसते-घिसते खत्म हो जाएगा, लेकिन मोदी सरकार ने जब उसे सचमुच खत्म कर दिया तो राहुल गांधी समेत कई विपक्षी नेताओं ने ऐसे बयान दिए, जो पाकिस्तान को अच्छे लगे।

इसके पहले डोकलाम विवाद के समय भी कांग्रेस ने मोदी सरकार को कठघरे में खड़ा किया था। राहुल गांधी तो विदेश मंत्रालय को सूचना दिए बिना चीनी दूतावास चले गए थे। इसे लेकर हंगामा मचा तो कांग्रेस की ओर से कहा गया कि वह मामले को समझने गए थे। फिर गलवन में चीनी सैनिकों से खूनी झड़प के बाद भी कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने मोदी सरकार को घेरा। राहुल गांधी और कुछ अन्य नेता यदा-कदा कहते रहते हैं कि मोदी चीन से डरते हैं। पहलगाम में बर्बर आतंकी हमले के बाद राहुल गांधी एवं अन्य विपक्षी नेताओं ने पर्यटकों की सुरक्षा में कमी के सही सवाल उठाकर कठिन वक्त में भारत सरकार के साथ खड़े होने का अच्छा संदेश दिया, लेकिन पाकिस्तान को सबक सिखाने वाले आपरेशन सिंदूर खत्म होते ही उनके सुर बदल गए। ये सुर पाकिस्तान में गूंजने लगे। आपरेशन सिंदूर के अचानक स्थगन और उसका श्रेय ट्रंप की ओर से लेने पर विपक्ष और अन्य अनेक ने उचित ही आपत्ति जताई। इस पर सरकार को भी कहना पड़ा कि ट्रंप सही नहीं। फिर एक दिन आपरेशन सिंदूर पर विदेश मंत्री जयशंकर के बयान को लेकर राहुल गांधी ने उन्हें घेरा और यह पूछा कि वे बताएं कि उनके कारण भारतीय सेना ने पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई में अपने कितने लड़ाकू विमान खोए?

इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता कि ट्रंप भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का श्रेय लेने की सनक से ग्रस्त हैं। इतना अधिक कि कनाडा गए प्रधानमंत्री मोदी को उनसे फोन पर दो टूक बात करनी पड़ी। इसका सार यही था कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। उनके झूठ से और पाकिस्तान प्रेम से भारत निपट ही रहा था कि इजरायल-ईरान जंग ने भारत का संकट बढ़ा दिया। इजरायल-ईरान जंग पर मोदी सरकार के रवैये पर सोनिया गांधी ने एक लेख लिखा। उन्होंने गाजा संकट एवं ईरान-इजरायल युद्ध पर मोदी सरकार पर चुप रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अभी समय है। सरकार को अपनी नीति बदलनी चाहिए। फिर ईरान-इजरायल युद्ध में ट्रंप ने कूदकर भारत और पूरी दुनिया का संकट बढ़ाया। भारत सरकार ने रूस-यूक्रेन युद्ध की तरह से इजरायल-ईरान जंग पर भी तटस्थ रहना तय किया। तटस्थता की यह नीति कई विपक्षी दलों को अच्छी नहीं लग रही।

ध्यानाभ्यास सीखने से हम ऐसे द्वार में प्रवेश कर जाते हैं जो हमें अंतर में आनंद, प्रकाश, और प्रेम से भरपूर मंडलों में ले जाता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

इजराइल-ईरान युद्ध में क्या रहा हासिल?

इजराइल और ईरान के बीच युद्ध विराम पर सहमति की खबर निश्चित रूप से अच्छी बात है। युद्ध को किसी भी रूप में उचित नहीं ठहराया जा सकता। इस युद्ध विराम की सूचना पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी। उनका दावा है कि उन्हीं के समझाने पर दोनों देश जंग की राह छोड़ने पर तैयार हुए हैं। पिछले बारह दिनों से दोनों देश एक-दूसरे पर विनाशकारी हमले कर रहे थे।

हालांकि अमेरिका शुरू से कहता रहा कि इस युद्ध को रोका जाना चाहिए। मगर उसका रुख एकतरफा ही था। वह स्पष्ट रूप से इजराइल के साथ खड़ा नजर आ रहा था। इजराइल को उसका समर्थन पिछले रविवार को तब पूरी तरह स्पष्ट हो गया, जब उसके बंकरभेदी विमानों ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर भीषण बम बरसा दिए। उस समय माना जाने लगा कि यह जंग लंबी चलेगी। युद्ध विराम की सूचना ने दुनिया को सुखद आश्चर्य से भर दिया। मगर इसके साथ ही युद्ध विराम के उल्लंघन से एक बार फिर चिंता पैदा हुई है।

हालांकि ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि इजराइल अब थक चुका है और ईरान के हमलों को नाकाम करने में विफल हो रहा है, इसलिए वह कदम पीछे खींचना चाहता है। फिर, अमेरिका को भी लग रहा था कि अगर वह इराक

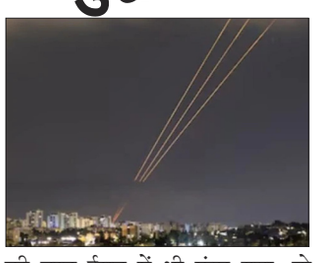

की तरह ईरान में भी फंस गया, तो मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

युद्ध शुरू करना तो आसान होता है, पर उसे समाप्त करना अपने हाथ में नहीं होता। फिर, किसी भी युद्ध के लंबे समय तक चलते रहने का असर न केवल संबंधित देशों की अर्थव्यवस्था पर, बल्कि दुनिया के बहुत सारे देशों पर पड़ता है। ऐसे में, इस युद्ध विराम की घोषणा हर तरह से सराहनीय कही जा सकती है। इस युद्ध में कौन सही था, कौन गलत, इसका विश्लेषण तो बहुत हो चुका, इतिहास में भी होता रहेगा, पर अभी इस बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि यह विराम स्थायी रूप कैसे ले।

विडंबना यह है कि ट्रंप के युद्ध विराम की खबर देने के बाद भी ईरान और इजराइल ने एक-दूसरे के ठिकानों पर बम फेंके और अभी वे एक-दूसरे को संघर्ष विराम के उल्लंघन का दोषी ठहराने में लगे हुए हैं। इससे यही लगता है कि दोनों के भीतर टीस अभी बनी हुई है। इसे भी समाप्त होना चाहिए। अगर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप सचमुच शांति के लिए प्रतिबद्ध हैं, तो ऐसा वातावरण बनाने की जिम्मेदारी उन्हीं पर अधिक है। पिछले कुछ वर्षों से देखा जा रहा है कि युद्ध में नियम-कायदों और सारी नैतिकता को ताक पर रख दिया जा रहा है। इजराइल इतने समय से फिलिस्तीन में जिस तरह बम बरसा रहा है, उसमें निरपराध स्त्रियों, बच्चों तक की चिंता नहीं की गई, अस्पतालों में बीमार और घायलों की परवाह किए बिना बम गिराए गए, वह युद्ध अपराध की ही श्रेणी में आता है। फिर ईरान के विरुद्ध परमाणु हथियार बनाने के सबूत के बगैर उसने हमला कर दिया। परमाणु विकिरण की परवाह किए बिना अमेरिका ने भी ईरान के परमाणु ठिकानों पर बम गिरा दिए।

इसी तरह दुनिया के करीब उनसठ देश किसी न किसी रूप में संघर्षरत हैं। उनमें केवल अपनी ताकत दिखाने की कोशिशें अधिक देखी जा रही हैं। पर, ऐसी स्थितियों को रोकने के मकसद से गठित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अब जैसे अप्रासंगिक हो गई है। इसके चलते दुनिया भर में किसी न किसी रूप में प्रभाव पड़ रहा है। अमेरिका महाबली है और अब उस पर यह जिम्मेदारी सबसे अधिक है कि युद्ध की स्थितियों को टालने और रोकने के व्यावहारिक उपाय तलाश करे।

बच्चों को तालीम देने का खोजा अनोखा तरीका

जरा हट के

मस्कूली बच्चों से अगर पूछा जाए कि वो एक चीज क्या चाहते हैं, तो वो कहेंगे कि कुछ ऐसा हो जाए कि उन्हें स्कूल न जाना पड़े! लगभग हर पीढ़ी के बच्चों के मन में कभी न कभी ये ख्याल आया होगा कि उन्हें स्कूल जाने की जरूरत ही न पड़े. मगर सोचने वाली बात ये है कि क्या वाकई हमें स्कूल जाने की जरूरत होती है? हाल ही में एक अमेरिकी कपल ने बताया कि वो अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजते, बल्कि वो उन्हें दुनिया के अलग-अलग देशों में ले

जाते हैं और फिर उन्हें ऐसा ज्ञान दिलाते हैं जिससे वो अलग इंसान बन सकते हैं.

दुनियाभर की यात्रा करते हुए पढ़ाई करवाना, पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था से हटकर बच्चों को सिखाना- अमेरिका के फ्लोरिडा की डायना ब्लिंक्स और उनके पति स्कॉट ने यही रास्ता चुना है. डायना (41), जो एक कंटेंट क्रिएटर हैं और जिनके इंस्टाग्राम पर 1.45 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, अपनी तीन बेटियों- लुसिल (12), एडिथ (11) और हेज़ल (9)- को लेकर जुलाई 2022 से 'वर्ल्ड स्कूलिंग' कर रही हैं. उन्होंने और उनके पति ने कॉर्पोरेट दुनिया की दौड़ से बाहर निकलकर बच्चों को दुनिया घूमते हुए पढ़ाने का फैसला किया. वे कहती हैं, "हम चाहते थे कि हमारी बेटियां किताबों से नहीं, जीवन से सीखें- दुनिया को खुद देखें, महसूस करें."

आज लुसिल स्पेन में फ्लेमेन्को डांस सीख रही है, एडिथ एथेंस में ग्रीक मिथोलॉजी पढ़ रही है और हेज़ल मोंटेनेग्रो में समुद्री जीवन संरक्षण सीख रही है. इस परिवार ने अब तक 40 से अधिक देशों की यात्रा की है- मोरक्को, आइसलैंड, ग्रीस, थाईलैंड, पुर्तगाल और अब उरुग्वे जैसे स्थानों में वे रह चुके हैं. डायना बताती हैं कि पहले उन्हें कभी नहीं लगा था कि वे होमस्कूलिंग करेंगी, लेकिन महामारी के दौरान जब स्कूल बंद हुए और उन्होंने घर से पढ़ाना शुरू किया, तो उन्हें इसमें मज़ा आने लगा. "हमने महसूस किया कि बच्चों को घर से पढ़ाना सिर्फ संभव ही नहीं, मज़ेदार भी है," उन्होंने कहा. "फिर हमने सोचा, क्यों न इसे इंटरनेशनल बना दिया जाए!"

रागी की रोटी

खाना-खजाना

फिटनेस और वेट लॉस पर आजकल ज्यादातर लोग ध्यान दे रहे हैं। ऐसे में, सबसे बड़ा चैलेंज होता है डाइट को मैनेज करना, जिसमें हर कोई कन्फ्यूजन का शिकार हो जाता है। अगर आप भी वेट लॉस जर्नी पर हैं, तो यहां हम आपको रागी की रोटी बनाना सिखाने जा रहे हैं, क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो आपको लंबे समय तक फुल रखकर ओवरईटिंग से बचाता है। इसके अलावा, रागी में कैल्शियम, आयरन और अमीनो एसिड भी भरपूर होते हैं, जो आपके शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं।

सामग्री :

रागी का आटाः 1 कप
पानीः 1 से 1.5 कप
नमकः स्वादानुसार
तेल या घीः रोटी सेंकने के लिए

विधि :

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में रागी का आटा और नमक लें। अब धीरे-धीरे पानी डालते हुए नरम आटा गूंथ लें। ध्यान रहे कि आटा न ज्यादा सख्त हो और न ही ज्यादा ढीला।

इसके बाद इसे 10-15 मिनट

के लिए ढककर रख दें और फिर आटे की छोटी-छोटी लोइयां बना लें।

अब चाहें तो हल्के सूखे आटे का इस्तेमाल करके या फिर प्लास्टिक शीट या बटर पेपर पर तेल लगाकर पतली रोटी बेल लें। रागी की रोटी गेहूं की रोटी जितनी आसानी से नहीं बेली जाती, इसलिए सब्र रखें।

फिर एक तवा गरम करें। जब तवा गरम हो जाए तो बेली हुई रोटी को उस पर डालें। मध्यम आंच पर एक तरफ से हल्का सुनहरा होने तक सेंकें।

अब रोटी को पलट दें और दूसरी तरफ से भी सुनहरा होने तक सेंकें। आप चाहें तो थोड़ा तेल या घी लगाकर दोनों तरफ से क्रिस्पी होने तक सेंक सकते हैं।

गरमागरम रागी की रोटी को अपनी मनपसंद सब्जी, दाल या चटनी के साथ परोसें।

विटामिन-B12 की कमी के लक्षण

नजर आते ही खाना शुरू कर दें ये 5 फूड्स

विटामिन-बी12 की कमी होना कोई साधारण समस्या नहीं है। इसे नजरअंदाज करने से शरीर बीमारियों का घर बन जाएगा। दरअसल, विटामिन-बी12 की कमी के कारण कमजोरी, हर वक्त थकान, खून की कमी, हाथ-पैर में झनझनाहट, शरीर पीला पड़ना, मुंह में छाले, डिप्रेशन और मूड स्विंग्स जैसी परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए विटामिन-बी12 की कमी के लक्षणों को इग्नोर करने की भूल बिल्कुल नहीं करनी चाहिए।

हालांकि, इसका एक लक्षण और है, जो अक्सर सिर्फ रात के समय ही नजर आता है। हम बात कर रहे हैं रात में बहुत ज्यादा पसीना आना। अगर आप रात में बिना किसी वजह पसीने से तरबतर हो जाते हैं, तो यह विटामिन-बी12 की कमी का संकेत हो सकता है। लेकिन चिंता की बात नहीं है। विटामिन-बी12 की कमी को डाइट (Vitamin-B12 Rich Foods) और सप्लीमेंट्स की मदद से पूरा किया जा सकता है। आइए जानें इसकी कमी को दूर करने के लिए क्या खाना चाहिए।

विटामिन-बी12 की कमी दूर करने के लिए 5 बेस्ट फूड्स

अंडे

अंडे प्रोटीन और विटामिन-बी12 का एक बेहतरीन सोर्स हैं। खासतौर से अंडे की जर्दी। इसमें विटामिन-बी12 ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। रोजाना 1-2 अंडे

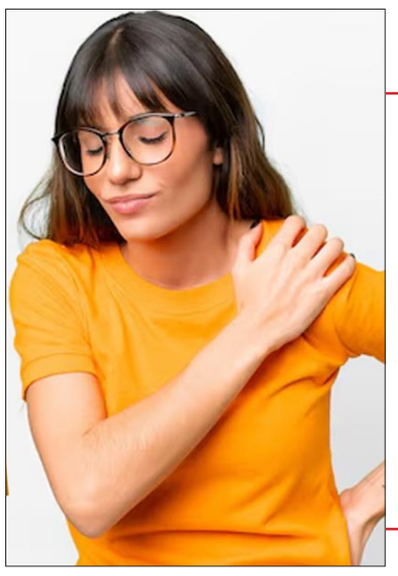

खाने से शरीर में इस विटामिन की कमी को पूरा किया जा सकता है।

दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स

दूध, दही, पनीर और चीज जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स में विटामिन-बी12 भरपूर मात्रा में होता है। ये शाकाहारी लोगों के लिए विटामिन-बी12 का एक अच्छा विकल्प हैं। रोजाना एक गिलास दूध या एक कटोरी दही खाने से शरीर में विटामिन-बी12 की जरूरत पूरी करने में मदद मिलती है।

मछली

सालमन, टूना और सार्डिन जैसी मछलियों में विटामिन-बी12 भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड भी होता है, जो दिल और दिमाग के लिए फायदेमंद है। सप्ताह में 2-3 बार मछली खाने से-बी12 की कमी दूर हो सकती है।

चिकन और मीट

नॉन-वेजिटेरियन लोगों के लिए चिकन, अंडे और रेड मीट विटामिन-बी12 का बेहतरीन सोर्स है। लिवर में खासतौर से-बी12 की मात्रा ज्यादा होती है। हालांकि, इन्हें सीमित मात्रा में ही खाएं।

फोर्टिफाइड फूड्स

क्योंकि विटामिन-बी12 के सबसे बेहतरीन सोर्स नॉन-वेजिटेरियन फूड्स ही है, शाकाहारी लोगों के लिए फूड्स में अलग से विटामिन-बी12 मिलाया जाता है। इन्हें फोर्टिफाइड फूड्स कहा जाता है। फोर्टिफाइड सीरियल्स, सोया मिल्क और नट्स जैसे फूड आइटम्स विटामिन-बी12 का अच्छा सोर्स साबित हो सकते हैं। बाजार में मिलने वाले कुछ ब्रांड्स के दूध और ब्रेड में भी बी12 मिलाया जाता है, जो शरीर की जरूरतों को पूरा कर सकता है।

आज का राशिफल

मेष : विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। बेचैनी रहेगी। धनार्जन सुगम होगा।

वृषभ : वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा।

मिथुन : आज धन का निवेश न करें। शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी।

कर्क : लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

सिंह : रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

कन्या : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं। घर-बाहर असहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। आय में कमी हो सकती है।

तुला : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी। थकान महसूस होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे।

वृश्चिक : नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। कानूनी बाधा आ सकती है। विवाद न करें।

धनु : बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है।

मकर : आज धन का निवेश न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कुंभ : कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है।

मीन : आज राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें। संताद पर कुबुद्धि हावी रहेगी।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मच्छरों के हमले से बचने के लिए अपनाएं ये उपाय

बीमार होने का नहीं रहेगा डर

मानसून आते ही मच्छरों का प्रकोप बढ़ने लगता है। घर हो या बाहर हर तरफ ये मच्छर काटने के लिए तैयार घूमते रहते हैं। मच्छरों के काटने से न केवल खुजली, रैशेज की दिक्कत होती है बल्कि कई बार मलेरिया, डेंगू जैसे खतरनाक बुखार भी हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि मच्छरों से खुद और अपने परिवार के सदस्यों को बचाया जाए। यहां हम आपके साथ कुछ ऐसे उपाय शेयर करने जा रहे हैं जो आपके बेहद काम आएंगे। इन टिप्स को फॉलो करके आप बीमार होने से बच सकते हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में।

घर के आसपास कर लें सफाई

मानसून आने से पहले घर के आसपास सफाई कर लें। कोई भी ऐसा सामान जिसमें पानी भर सकता है, उसे हटा दें। क्योंकि जिस जगह पर पानी कई दिनों तक भरा रहता है वहां सबसे

ज्यादा मच्छर पनपते हैं।

शाम को खिड़कियां कर लें बंद

मच्छर सबसे ज्यादा शाम के समय निकलते हैं। ऐसे में इनसे बचने के लिए शाम होते ही खिड़की-दरवाजे बंद कर लें, ताकि ये घर के अंदर प्रवेश न कर पाएं। आप चाहें तो खिड़की-दरवाजों में जाली भी फिट करवा सकते हैं।

बच्चों को फुल कपड़े पहनाएं

बच्चों को मच्छरों से बचाने के लिए फुल स्लीव कपड़े पहनाएं। पैरों में फुल कपड़े ही पहनने के लिए दें। ताकि शरीर ढका रहे। ऐसा करने से आसानी से मच्छर उन्हें नहीं काट पाएंगे।

मच्छर भगाने वाली डिवाइस लगाएं

बाजार में मच्छर भगाने के लिए कई तरह की डिवाइस आने लगी हैं। आप इन्हें घर में लगा सकते हैं। इसके अलावा आप मच्छरों को मारने के लिए इलेक्ट्रिक रैकेट भी ले सकते हैं।

घर पर कपड़ों को ड्राई क्लीन करें

पैसे बचाने के लिए यहां जानिए स्टेप बाय स्टेप पूरा तरीका

महंगे कपड़ों की चमक और मटेरियल खराब न हो जाए इसलिए लोग उन्हें ड्राई क्लीन कराने के लिए मार्केट में देकर आते हैं। कुछ कपड़े बेहद ही नाजुक होते हैं। लिनन, रेयान, रेशम से बने कपड़ों को मशीन या हाथ से धोने में लोगों को डर लगता है। खासतौर पर तब जब वह बिल्कुल नए होते हैं। वहीं कुछ कपड़ों पर बहुत हैवी वर्क हो रहा होता है। उन कपड़ों को घर में धोने से उनकी चमक चली जाती है। लेकिन कपड़ों की ड्राई क्लीन कराने में बहुत खर्चा आता है। ऐसे में यहां हम आपको घर में कपड़ों की ड्राई क्लीन कैसे करें, इसके बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं स्टेप बाय स्टेप पूरा तरीका।

इन चीजों की पड़ेगी जरूरत

घर में कपड़ों की ड्राई क्लीनिंग करने के लिए आपको कुछ सामान की जरूरत होगी। कपड़े को ड्राई क्लीन करने के लिए आप मार्केट से या फिर ऑनलाइन ड्राई क्लिन किट खरीद सकते हैं। साथ ही आपको माइल्ड डिटर्जेंट की जरूरत पड़ेगी। अगर आपके कपड़े पर किसी चीज का दाग है तो आपको एक सफेद कपड़े या फिर स्पंज की भी जरूरत होगी।

फाइनल फिनिशिंग के लिए स्टीमर चाहिए होगा। वो नहीं है तो आप आयरन से भी काम चला सकते हैं।

ऐसे करें कपड़ों को स्टेप बाय स्टेप ड्राई क्लीन

कपड़ों को सबसे पहले सीधा करके नॉर्मल पानी में भिगोएं। फिर अगर आपके कपड़े पर किसी भी तरह का दाग है तो माइल्ड डिटर्जेंट से उसे साफ करें। आप दाग वाली जगह को रगड़े नहीं। इसे हल्के हाथ से साफ करने की कोशिश करें। अब कपड़ों को ड्राई क्लीनिंग बैग में रखें। अब आप कपड़ों को ड्रायर से निकाल लें। फिर हैंगर पर टांग दें। कुछ देर बाद कपड़ा सूख जाएगा। अब स्टीमर या प्रेस से आयरन करें।

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

ब्लैकमेल कर छात्र से मनमानी करता था हैदरी दल का एडमिन, मोबाइल में मिले 40 वीडियो

बरेली. मदरसे में पढ़ने वाले नाबालिग छात्र से कुकर्म के आरोप में बरेली पुलिस ने हाफिज की पढ़ाई कर रहे हैदरी दल के एडमिन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। हैदरी दल के एडमिन और हाफिज की पढ़ाई कर रहा नवी हसन अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लंबे समय से छात्र को ब्लैकमेल कर कुकर्म कर रहा था। उसके मोबाइल में छात्र से कुकर्म के 40 वीडियो मिले हैं। एसपी साउथ अंशिका वर्मा ने बताया कि आरोपी नवी हसन ने शाहजहांपुर के तिलहर स्थित मदरसा गुलशने मुस्तफा में धार्मिक पढ़ाई के दौरान नाबालिग छात्र से कुकर्म किया था और डरा धमकाकर उसका वीडियो बना लिया। इसके बाद वह वीडियो वायरल करने और जान से मारने की धमकी देकर बार-बार कुकर्म करने लगा।

एकतरफा प्यार में लड़की के लिए ब्लेड से रेती खुद की गर्दन, फोन काटने से था नाराज

अलीगढ़. यूपी में अलीगढ़ के रोरावर थाना क्षेत्र के मोहल्ला शाहजमाल में सोमवार की रात एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया। यहां युवती ने युवक का फोन काट दिया। इसके बाद बात करने से इंकार कर दिया। इस बात पर नाराज युवक ने ब्लेड से खुद का गला रेतकर आत्महत्या का प्रयास किया। गंभीर हालत में युवक को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार मोहल्ला शाहजमाल निवासी फैजल का इलाके की ही एक युवती से एकतरफा प्रेम प्रसंग चल रहा है। फैजल उससे फोन पर बातचीत करने की कोशिश करता है। हालांकि, लड़की मना करती है। सोमवार की रात फैजल फोन पर युवती से बात कर रहा था। इसी बीच युवती ने फोन काट दिया। दोबारा फोन लगाने पर उसने बात करने से इंकार कर दिया। इसी बात से नाराज फैजल घर के पास ही दुकान पर गया और ब्लेड लेकर आ गया। खुद को कमरे में बंद कर गर्दन पर प्रहार कर लिया।

चूहे ने मचाया हमसफर एक्सप्रेस में हड़कंप

चूहों की कारस्तानी कई बार लोगों को दहशत में डाल देते हैं। नया मामला एक ट्रेन का है। जहां दिल्ली से कटिहार जा रही हमसफर एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 15706 कानपुर का पनकी धाम स्टेशन क्रास किया तो एक एसी कोच के इलेक्ट्रिक पैनल में चूहे की वजह से शॉर्ट सर्किट हो गया। इससे पूरे कोच में धुआं भर गया। जिससे फायर अलार्म के साथ ही सायरन बजने लगा। इससे यात्री दहशत में आ गए। चलती ट्रेन में दो इलेक्ट्रीशियनों ने पैनल से मरा चूहा निकाला और यात्रियों को बताया यह रोज की दिक्कत है, सभी सुरक्षित हैं और आग जैसी कोई बात नहीं है।

अंतरिक्ष पहुंचकर एस्ट्रोनॉट शुभांशु बोले-

कंधे का तिरंगा देश से जोड़े हुए है

लॉन्चिंग सफल होने पर भावुक हुए माता-पिता

भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सियम मिशन 4 के तहत आज यानी, 25 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए। उनका ये मिशन पहले 6 बार तकनीकी दिक्कतों के कारण टल चुका था। उनके साथ तीन अन्य एस्ट्रोनॉट भी स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए।

अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद शुभांशु ने कहा- व्हाट ए राइड। मेरे कंधे पर लगा तिरंगा बताता है कि मैं आप सभी के साथ हूं। वहीं लॉन्चिंग सफल होने पर शुभांशु के माता-पिता आशा शुक्ला और शंभु दयाल शुक्ला भावुक हो गए। उन्होंने बेटे की सफलता पर ताली बजाकर खुशी जताई।

मिशन भारतीय समयानुसार दोपहर करीब 12:00 बजे फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में सभी एस्ट्रोनॉट ने उड़ान भरी। ये स्पेसक्राफ्ट करीब 28.5 घंटे के बाद 26 जून को शाम 04:30 बजे ISS से जुड़ेगा।

41 साल बाद कोई भारतीय एस्ट्रोनॉट अंतरिक्ष में जा रहा

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और भारतीय एजेंसी इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है।

नमस्कार, मेरे प्यारे देशवासियों! क्या सफर है! 41 साल बाद हम एक बार फिर अंतरिक्ष में हैं। यह एक अद्भुत सफर है। हम पृथ्वी के चारों ओर 7.5 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से चक्कर लगा रहे हैं। मेरे कंधों पर लगा तिरंगा मुझे बताता है कि मैं आप सभी के साथ हूं। मेरी यह यात्रा इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) तक की शुरुआत नहीं है, बल्कि भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत है। मैं चाहता हूं कि आप सभी इस यात्रा का हिस्सा बनें। आपके सीने में भी गर्व की अनुभूति होनी चाहिए...आइए, मिलकर भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत करें। जय हिंद! जय भारत!

शुभांशु शुक्ला, इंडियन एस्ट्रोनॉट

शुभांशु इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इससे 41 साल पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी।

शुभांशु का ये अनुभव भारत के गगनयान मिशन में काम आएगा। ये भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है, जिसका उद्देश्य भारतीय गगनयात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजना और सुरक्षित रूप से वापस लाना है। इसके 2027 में लॉन्च होने की संभावना है। भारत में एस्ट्रोनॉट को गगनयात्री कहा जाता है। इसी तरह रूस में कॉस्मोनॉट और चीन में ताइकोनॉट कहते हैं।

पंजाब के पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया गिरफ्तार

चंडीगढ़. शिरोमणि अकाली दल के नेता और पंजाब के पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया के अमृतसर स्थित उनके ग्रीन एवेन्यू वाले घर से गिरफ्तार कर लिया गया है। आज सुबह विजिलेंस की टीम छापेमारी करने पहुंची थी। घंटों चली इस कार्रवाई के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। बताया जा रहा है कि नशा तस्करी के मामले में मजीठिया के घर की तलाशी ली जा रही थी। टीम ने कई दस्तावेज भी अपने कब्जे में ले लिए हैं। बताया जा रहा है कि उन्हें आय से अधिक संपत्ति के मामले में गिरफ्तार किया गया है।

मजीठिया शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल के साले हैं। रिपोर्ट के अनुसार मजीठिया को मोहाली ले जाया गया है। शिरोमणि अकाली दल के नेताओं ने मजीठिया के घर में घुसने की कोशिश की, लेकिन मामूली झड़प के बाद उन्हें वापस धकेल दिया गया।

आपको बता दें कि मजीठिया लंबे समय से पंजाब सरकार पर नशे को लेकर सवाल उठा रहे हैं। लुधियाना उपचुनाव से दो दिन पूर्व भी उन्होंने पंजाब के मंत्री डॉ. रवजोत सिंह की कथित आपत्तिजनक तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में डॉ. रवजोत एक महिला के साथ नजर आ रहे थे।

सोनम के लैपटॉप की शिलॉन्ग पुलिस को तलाश

■ सबूत समझकर कॉन्ट्रैक्टर ने फेंका

इंदौर. इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी मर्डर केस में शिलॉन्ग पुलिस को अब सोनम के लैपटॉप की तलाश है। पुलिस उसे ढूंढने के लिए मंगलवार को इंदौर के महालक्ष्मी नगर इलाके में पहुंची। टीम उस बिल्डिंग के कॉन्ट्रैक्टर-ब्रोकर शिलोम जेम्स और चौकीदार बलवीर अहिरवार को भी साथ ले गई थी, जिसमें सोनम रुकी थी। शिलॉन्ग पुलिस बिल्डर लोकेंद्र तोमर को लेकर बुधवार सुबह इंदौर पहुंची है। आज लोकेंद्र, शिलोम और चौकीदार बलवीर का आमना-सामना कराया जा सकता है।

पुलिस के हाथ हवाला कारोबार के भी इनपुट लगे हैं। अनुमान है कि सोनम के लैपटॉप में इसके लेन-देन का हिसाब मिल सकता है। इस लैपटॉप को शिलोम ने डिजिटल एविडेंस समझकर फेंक दिया था। कुछ ऐसी जानकारी भी पता चली है, जिससे तांत्रिक क्रिया के चलते मर्डर का शक गहरा रहा है। ऐसे में शिलॉन्ग पुलिस अभी शिलोम जेम्स और चौकीदार बलवीर अहिरवार को लेकर इंदौर में ही रुकेगी।

इंदौर क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने कहा- शिलॉन्ग पुलिस तीनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। उनसे क्या जानकारी मिली है, इस बारे में शिलॉन्ग पुलिस ने हमें कुछ नहीं बताया। तीनों आरोपी अभी ट्रांजिट रिमांड पर है।

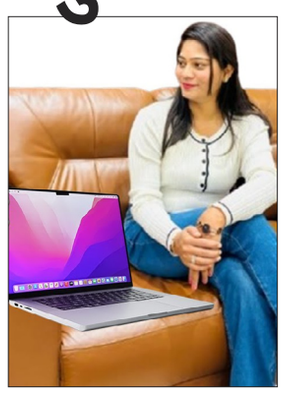

30 मई से 7 जून तक लोकेंद्र के फ्लैट में रही सोनम

राजा रघुवंशी की हत्या के बाद सोनम शिलॉन्ग से लौटकर इंदौर के जिस बिल्डिंग के फ्लैट में रुकी थी, उसके मालिक लोकेंद्र तोमर को 23 जून को ग्वालियर से गिरफ्तार किया गया था। 24 जून को शिलॉन्ग एसआईटी ने लोकेंद्र को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे 72 घंटे की पुलिस रिमांड में भेज दिया।

कुआं पूजन के दौरान डांस कर रही महिलाओं को ईको वैन ने रौंदा

आगरा. आगरा से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां बुधवार को कुआं पूजन कार्यक्रम के दौरान तब हड़कंप मच गया। जब एक बेकाबू ईको वैन ने डांस कर रही महिलाओं और बच्चों को कुचल दिया। इस हादसे में करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। ये घटना सिकंदरा थाना क्षेत्र के खड़वाई गांव का है। जानकारी के मुताबिक दिवाकर सिंह के घर पर कार्यक्रम आयोजित था।

केमिकल टैंकर आग का गोला बना

■ ड्राइवर जिंदा जला गाड़ियां छोड़कर भागे लोग

■ लंबा जाम भी रहा

जयपुर में हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक केमिकल टैंकर में आग लग गई। नेशनल हाईवे-48 पर हुए हादसे में टैंकर ड्राइवर जिंदा जल गया। हादसा बुधवार सुबह करीब 8.30 बजे जिले के मोखमपुरा कस्बे में हुआ।

टैंकर में भरा मेथेनॉल हाईवे पर बिखर गया। आग फैलने के डर से टैंकर के करीब चल रहीं गाड़ियां

हाईवे पर ही रुक गईं। कई ड्राइवर मौके से गाड़ी छोड़कर भाग गए। हादसे के करीब आधा घंटे बाद तक हाईवे पर जाम लगा रहा।

मौखमपुरा थाने के हेड कॉन्स्टेबल मदन कसवा ने बताया कि जानकारी मिलने पर टीम मौके पर पहुंची। हादसे में टैंकर ड्राइवर राजेन्द्र जिंदा जल गया।

टैंकर में लगी आग और धुंआ करीब 300 मीटर दूर से ही नजर आ रहा था। इस कारण हाईवे पर चल रहीं दूसरी गाड़ियों के ड्राइवर भी डर गए। कई लोग बीच हाईवे पर गाड़ी छोड़कर खेतों में भाग गए।

डर के कारण हम लोग भागे- प्रत्यक्षदर्शी

प्रत्यक्षदर्शी विशाल ने बताया कि वह जयपुर की तरफ जा रहा था। इसी दौरान टैंकर पलटा और आग का गोला बन गया। हम सभी लोग डर गए और कार से उतरकर पीछे की ओर भागे।

ईरान ने कबूली न्यूक्लियर साइट्स के नुकसान की बात

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने बुधवार को पहली बार इस बात की पुष्टि की है कि सप्ताहांत में हुए अमेरिकी हमलों से देश के परमाणु प्रतिष्ठान 'बुरी तरह से क्षतिग्रस्त' हुए हैं।'अल जजीरा' से बात करते हुए बाघेई ने यह टिप्पणी की है। हालांकि उन्होंने परमाणु ठिकानों को हुए नुकसान पर विस्तार से जानकारी देने से इनकार कर दिया। बाघेई ने स्वीकार किया कि रविवार को अमेरिकी बी-2 बमवर्षकों द्वारा बंकर-बस्टर बम गिराए जाने से काफी नुकसान हुआ है।

हल्द्वानी में कार नहर में गिरी, 4 की मौत

■ सूरत में 36 घंटे में 19 इंच बारिश

■ जम्मू में नदी में युवक फंसा

नई दिल्ली. गुजरात के सूरत शहर में मंगलवार शाम 6 बजे तक 36 घंटे में 19 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। शहर का अधिकांश हिस्सा बाढ़ की चपेट में है। कई सोसाइटियों में पानी भर गया। लोगों को ट्रैक्टर के जरिए रेस्क्यू किया गया।

राज्य के कच्छ में बारिश का यलो और बाकी हिस्से में ऑरेंज अलर्ट है। अगले 7 दिन तक यही हालात बने रहेंगे।

उत्तराखंड के हल्द्वानी में बुधवार सुबह अस्पताल से बच्चे की डिलीवरी के बाद घर जा रहे एक परिवार की कार नहर में जा गिरी। इसमें एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई है। हादसे तीन दिन पहले जन्मा बच्चा भी नहीं बच सका। भारी बारिश के कारण नाला उफान पर था, इस दौरान कार अनियंत्रित होकर नाले में जा समाई। कार में कुल 7 लोग सवार थे, जिनमें से 3 लोग गंभीर रूप से

घायल हैं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वहीं, जम्मू में मंगलवार रात हुई भारी बारिश के चलते तवी नदी उफान पर है। इसमें एक शख्स फंस गया। SDRF के लोगों ने सीढ़ी के सहारे उसका रेस्क्यू किया।

दिल्ली में आज के लिए यलो अलर्ट है। बारिश के साथ तेज आंधी का अनुमान है। अधिकतम तापमान 34C रह सकता है। मंगलवार को चंडीगढ़-हरियाणा के कुछ हिस्सों में मानसून पहुंचा है। अगले दो दिनों में और और आगे बढ़ेगा।

पहाड़ों पर भारी बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक, पहाड़ों पर नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हुआ है। इससे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड और लद्दाख में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।

पूर्व जज समेत 972 लोग थे PFI का टारगेट

■ NIA का खुलासा

नई दिल्ली. प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (PFI) ने करीब 972 लोगों को निशाना बनाने के लिए एक सूची बनाई थी जिसमें केरल के एक पूर्व जिला न्यायाधीश का नाम भी है। यह खुलासा राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा यहां एक अदालत में जमा किए गए दस्तावेजों से हुआ है।

एनआईए के इन दस्तावेजों के अनुसार पीएफआई ने अपनी गुप्त 'रिपोर्टर्स विंग' के माध्यम से अन्य समुदायों के लोगों के पद, नाम, आयु, तस्वीर समेत व्यक्तिगत जानकारी जमा की। एनआईए ने दावा किया कि पीएफआई की तीन इकाई हैं जिनमें 'रिपोर्टर्स विंग', 'फिजिकल एंड आर्म्स ट्रेनिंग विंग/पीई' और 'सर्विस विंग/हिट टीम्स' हैं। दस्तावेजों में दावा किया गया है कि पीएफआई के अर्द्ध-खुफिया विभाग के रूप में काम करने वाली 'रिपोर्टर्स विंग' ने समाज के प्रमुख व्यक्तियों के अलावा अन्य समुदायों, विशेषकर हिंदू समुदाय के नेताओं की निजी और व्यक्तिगत जानकारी एकत्र की, जिसमें उनकी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियां भी शामिल थीं। एजेंसी ने अदालत से कहा, 'डेटा को पीएफआई के जिला स्तर पर संकलित किया जाता है और उनके राज्य पदाधिकारियों को सूचित किया जाता है। विवरण नियमित रूप से अद्यतन किए जाते हैं और आतंकवादी गिरोह द्वारा आवश्यकतानुसार व्यक्तियों को निशाना बनाने के लिए उपयोग में लाए जाते हैं।'

तालिबान के हमले में मारा गया विंग कमांडर अभिनंदन को पकड़ने वाला पाक अधिकारी

नई दिल्ली. साल 2019 में बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान भारतीय विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को पकड़ने वाले पाकिस्तानी अधिकारी की मौत हो गई है।

खबर है कि पाकिस्तान तालिबान के एक हमले में मेजर मोइज अब्बास शाह की मौत हुई है। पाकिस्तान की सेना ने बताया है कि इस हमले में एक और जवान की मौत हुई है। खास बात है कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद एक बार फिर दोनों मुल्कों के रिश्ते तल्ख बने हुए हैं। विंग कमांडर रहे वर्धमान को पकड़ने के बाद मेजर शाह चर्चा में आ गए थे।

पति राजी न रहे, तब भी मुस्लिम महिला को खुला से तलाक का अधिकार : HC

हैदराबाद. मुस्लिम महिला चाहे तो पति से एकतरफा तौर पर भी तलाक ले सकती है। भले ही उसके पति की रजामंदी तलाक के लिए न हो, लेकिन पत्नी अलगाव चाहती है तो खुला के माध्यम से ऐसा हो सकता है। तेलंगाना हाई कोर्ट ने एक केस की सुनवाई करते हुए मंगलवार को यह व्यवस्था दी। खुला मुस्लिम महिलाओं को मिला एक अधिकार है, जिसके तहत वे तलाक की अर्जी दाखिल कर सकती हैं। पुरुष जब शादी तोड़ने की पहल करते हैं तो मुस्लिम लॉ में उसे तलाक कहा जाता है, जबकि महिलाओं की ओर से किए गए

आवेदन को खुला कहा जाता है। जस्टिस मौसमी भट्टाचार्य और जस्टिस मधुसूदन राव की बेंच ने कहा कि महिला के लिए यह भी जरूरी नहीं है कि वह किसी मुफ्ती से खुलानामा हासिल करे।

अदालत ने कहा कि खुला से तलाक लेने के मामले में मुफ्ती की राय सिर्फ सलाह के लिए है। उसकी कोई भी बात फैसले के तौर पर नहीं ली जा सकती। बेंच ने कहा कि निजी मामलों में किसी का भी दखल गलत है। यदि कोई महिला खुला के लिए आवेदन करती है तो फिर उसकी प्रक्रिया तत्काल शुरू हो सकती है। बेंच ने कहा कि मुस्लिम महिलाओं को मिला खुला का अधिकार अपने आप में पूर्ण है और उसमें पति या फिर अदालत की सहमति की भी एक सीमा है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में अदालत की भूमिका यही है कि वह तलाक पर मुहर लगा दे ताकि दोनों पक्षों के लिए कानूनी राह आसान हो जाए।

टेस्ट में पहली बार 5 शतक के बावजूद हारी टीम

■ इंग्लैंड का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज

■ सिराज की इंग्लिश ओपनर्स से बहस

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में भारत पहली ऐसी टीम बनी जिसके प्लेयर्स ने 5 शतक लगाए इसके बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में भारत को 5 विकेट से हरा दिया। लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में इंग्लैंड ने 371 रन का टारगेट 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

मंगलवार को मैच के आखिरी दिन मोहम्मद सिराज की इंग्लिश ओपनर्स बेन डकेट और जैक क्रॉली से बहस हो गई। बेन डकेट ने भारत के खिलाफ चौथी पारी में हाईएस्ट

स्कोर बनाया। जसप्रीत बुमराह से क्रॉली का कैच छूटा।

रिकार्ड्स और फैक्ट्स...

हेडिंग्ले मैदान में 41 साल बाद चौथी पारी में किसी टीम की ओपनिंग साझेदारी 100 से ज्यादा की हुई। जैक क्रॉली और बेन डकेट ने मिलकर पहले विकेट के लिए 188 रन जोड़े। इससे पहले 1984 में वेस्टइंडीज के डेसमंड हेन्स और गॉर्डन ग्रीनिज ने 106 रन की साझेदारी की थी।

2010 के बाद पहली बार किसी इंग्लिश ओपनिंग बल्लेबाज ने चौथी इनिंग में सेंचुरी लगाई। बेन डकेट ने 149 रन की पारी खेली। 15 साल पहले एलिस्टेयर कुक ने बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर में नाबाद 109 रन बनाए थे।

हैरी ब्रूक टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहले ऐसे बल्लेबाज बने जो पहली पारी में 99 रन पर और दूसरी पारी में पहली ही गेंद पर (गोल्डन डक) आउट हुए।

इंग्लैंड ने हेडिंग्ले टेस्ट में अपना दूसरा सबसे बड़ा रन चेज किया। इससे पहले 2022 में भारत के खिलाफ में एजबेस्टन में 378 रन का पीछा किया था। यह भारत के खिलाफ इंग्लैंड का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज हैं। टेस्ट क्रिकेट के 148 साल के इतिहास में इंडिया पहली टीम बनी है, जिसके प्लेयर्स ने एक ही मैच में पांच शतक लगाए लेकिन फिर भी मैच हार गई। इससे पहले ऐसा 1928-29 की एशेज सीरीज में हुआ था, जब ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न टेस्ट में चार शतक लगाए थे। उसी मैच में डॉन ब्रैडमैन ने अपना पहला टेस्ट शतक (112 रन) भी बनाया था, लेकिन फिर भी ऑस्ट्रेलिया को हार मिली थी।

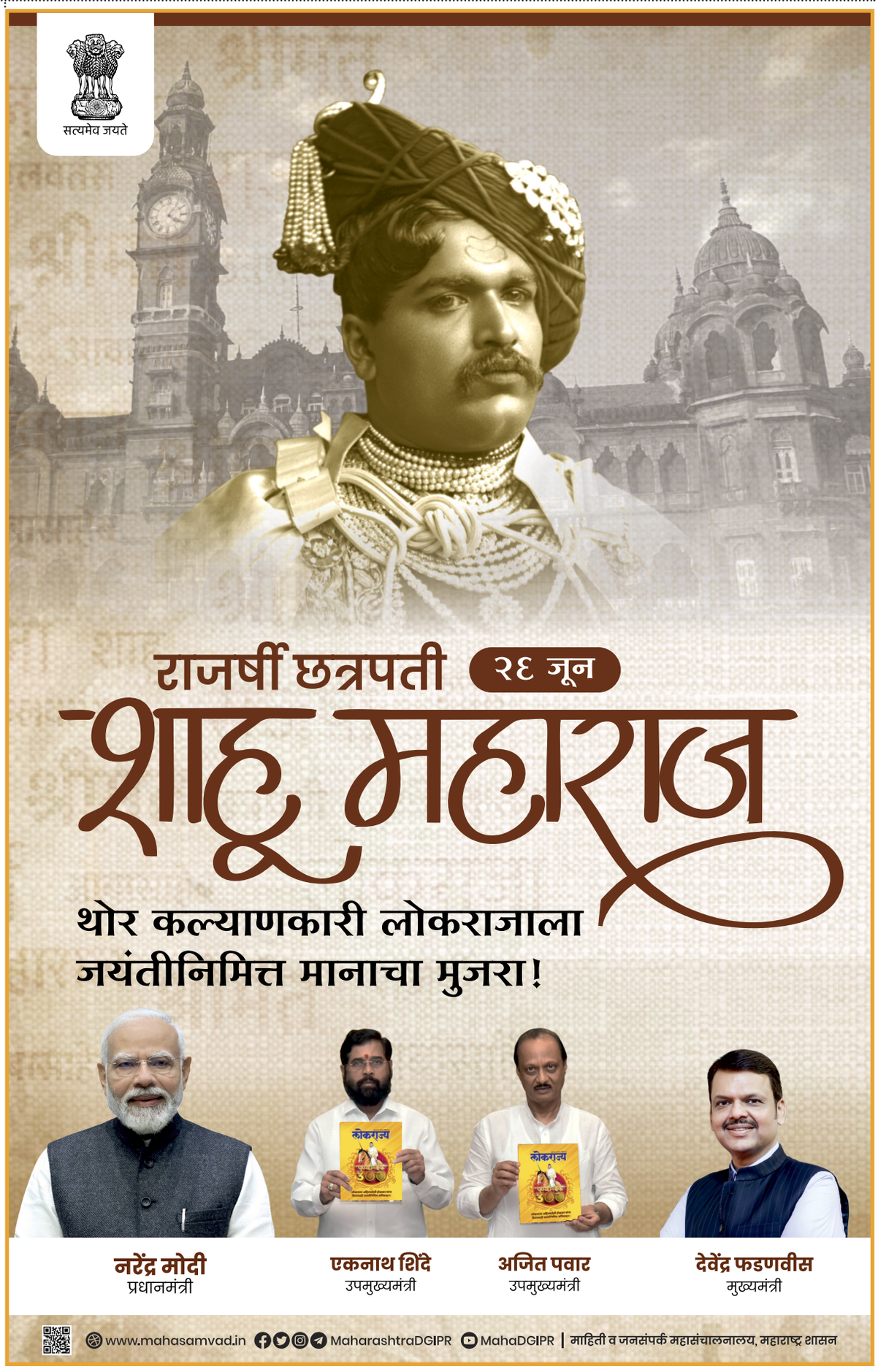

ठाणे मनपा के वरिष्ठ अधिकारी भ्रष्टाचार के आरोप में सस्पेंड

ठाणे. ठाणे मनपा में एक वरिष्ठ अधिकारी को भ्रष्टाचार और लापरवाही के गंभीर आरोपों के चलते सस्पेंड कर दिया गया है. निलंबन की यह कार्रवाई बॉम्बे हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद हुई है, जिसमें अदालत ने स्पष्ट रूप से प्रशासनिक मशीनरी की भूमिका पर सवाल उठाए थे.

ठाणे मनपा के मुताबिक, वर्तमान में कानूनी सहायक पद पर कार्यरत फारूख शेख को नगर आयुक्त के आदेश पर सस्पेंड किया गया है. इससे पहले वे ठाणे के दीवा क्षेत्र के सहायक आयुक्त के पद पर कार्यरत थे.

विधानसभा चुनाव में गड़बड़ी वाली याचिका खारिज

- बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा- कोई ठोस आधार नहीं
- कोर्ट का समय बर्बाद किया

मुंबई. बॉम्बे हाई कोर्ट ने बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में गड़बड़ी को लेकर दायर याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा- याचिका की सुनवाई में कोर्ट का समय बर्बाद हुआ है। हालांकि याचिकाकर्ता पर कोई जुर्माना नहीं लगाया गया है।

जस्टिस जीएस कुलकर्णी और आरिफ डॉक्टर की बेंच ने कहा- इस याचिका में कोई ठोस आधार नहीं है। ऐसे में हम इसे खारिज करते हैं। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि चुनाव में 6 बजे के बाद 75 लाख से ज्यादा वोट पड़े। साथ में चुनाव प्रक्रिया को अवैध घोषित करने की मांग की थी।

क्या है पूरा मामला

वंचित बहुजन आघाडी के नेता प्रकाश आंबेडकर चुनाव में कथित अनियमितताओं के खिलाफ याचिका दायर की थी। वहीं मुंबई निवासी चेतन चंद्रकांत अहिरे ने आरोप लगाया था कि 20 नवंबर 2024 को हुए विधानसभा चुनावों में 6 बजे के बाद असामान्य रूप से बड़ी संख्या में वोट डाले गए, जो चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का संकेत है।

याचिका में यह दावा किया गया था कि 6 बजे के बाद 75 लाख से अधिक वोट डाले गए। अहिरे ने कोर्ट से मांग की थी कि राज्य की सभी 288 विधानसभा सीटों पर घोषित चुनाव परिणामों को रद्द किया जाए। साथ ही आरोप लगाया था कि 90 से ज्यादा विधानसभा सीटों में डाले गए और गिने गए वोटों में अंतर है।

चुनाव आयोग बोला- चुनाव परिणाम को चुनौती देने का अधिकार नहीं

चुनाव आयोग की ओर से सीनियर एडवोकेट आशुतोष कुंभकोनी ने कहा- याचिकाकर्ता के पास राज्यभर के परिणामों को चुनौती देने का कोई अधिकार नहीं है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि याचिकाकर्ता ने किसी भी विजयी उम्मीदवार को पार्टी नहीं बनाया।

केंद्र सरकार की ओर से एडवोकेट उदय वरुंजिकर ने कहा- यदि किसी को चुनाव प्रक्रिया पर आपत्ति है, तो रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट के तहत चुनाव याचिका दाखिल करनी होती है, जो कि परिणाम के 45 दिन के भीतर दाखिल की जानी चाहिए। अहिरे ने एक रिट याचिका दाखिल की, वो भी तय समयसीमा के बाहर है।

इलेक्शन कमीशन (EC) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेटर लिखा। इसमें महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली के उनके आरोपों पर चर्चा के लिए बुलाया है। ANI के मुताबिक, लेटर 12 जून को मेल और राहुल के आवास पर भी भेजा गया है।

EC ने लेटर में लिखा- भारत की संसद के पारित इलेक्टोरल लॉ, उसके नियमों और समय-समय पर चुनाव आयोग के निर्देशों के जरिए बहुत सख्ती से देश में चुनाव आयोजित कराए जाते हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रक्रिया विधानसभा क्षेत्र स्तर पर सेंट्रलाइज्ड आयोजित की जाती है।

घोड़बंदर रोड पर ट्रायल बेसिस पर लगेगी रैम्बलर पट्टी

- मनपा आयुक्त सौरभ राव ने दिए निर्देश
- जस्टिस फॉर घोड़बंदर रोड के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

ठाणे. मनपा आयुक्त सौरभ राव ने घोड़बंदर रोड पर पांच ट्रैफिक सिग्नल के पास ट्रायल बेसिस पर रैम्बलर स्पीड कंट्रोल स्ट्रिप लगाने के निर्देश दिए हैं।यह सफल रहा तो घोड़बंदर रोड पर सभी सिग्नल पर लागू किया जाएगा।घोड़बंदर रोड और आसपास के क्षेत्र में सिविल कार्यों पर चर्चा करने के लिए मनपा आयुक्त कार्यालय में जस्टिस फॉर घोड़बंदर रोड के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। आयुक्त सौरभ राव की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, शहर अभियंता प्रशांत सोनाग्रा, नियोजन के सहायक निदेशक संग्राम कनाडे, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षक अभियंता सिद्धार्थ तांबे, पुलिस उपायुक्त (यातायात) पंकज शिरसाट, उपनगरीय अभियंता विकास ढोले, सुधीर गायकवाड़, शुभांगी केसवानी, घोड़बंदर रोड समन्वय अधिकारी और कार्यकारी अभियंता संजय कदम के साथ एमएमआरडीए और मेट्रो के अधिकारी मौजूद थे। इस बैठक में प्रतिनिधियों ने वाघबिल में आंतरिक सड़क, भयंदरपाड़ा और साईनगर में सर्विस रोड की खराब स्थिति, रोजा गार्डेनिया में प्रस्तावित ट्रैफिक आदि मुद्दे उठाए। इस पर आयुक्त राव ने संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्यक्रम बनाकर उसे पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही आयुक्त राव ने कहा कि मनपा, लोक निर्माण विभाग, मेट्रो और एमएमआरडीए को संयुक्त रूप से व्यापक सफाई अभियान चलाकर सड़क पर अवरोध, तार, अनावश्यक बैरिकेड आदि हटाने चाहिए।

ठोस अपशिष्ट समस्या जनभागीदारी की जरूरत

प्रतिनिधियों ने गायमुख और आसपास के क्षेत्र में अपशिष्ट समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी उपाय करने की जरूरत जताई। साथ ही इन प्रतिनिधियों ने कहा कि कुछ बड़े आवासीय परिसरों ने छोटे अपशिष्ट प्रसंस्करण परियोजनाएं शुरू करने की तत्परता दिखाई है। आयुक्त राव ने स्पष्ट किया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में व्यापक जनभागीदारी की जरूरत है और मनपा इसके लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में रुचि दिखाने वाले आवास परिसरों के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित करने का निर्देश भी दिया।

रिक्शा स्टैंड के लिए संयुक्त सर्वेक्षण

इस बैठक में परिवहन पुलिस, परिवहन विभाग और मनपा के माध्यम से ठाणे मनपा क्षेत्र में सभी रिक्शा स्टैंडों का संयुक्त सर्वेक्षण करने का निर्णय लिया गया। पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट ने बताया कि रिक्शा स्टैंडों के स्थान निर्धारित और विनियमित किए जाएंगे।

आईसीयू वार्ड में लगी आग, कोई हताहत नहीं

ठाणे. ठाणे शहर में एक निजी अस्पताल के आईसीयू वार्ड में बुधवार को पूर्वाहन के समय आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ठाणे महानगरपालिका के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि रुतु पार्क स्थित दो मंजिला अस्पताल में पूर्वाहन 10 बजकर 37 मिनट पर यह आग लगी, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी ने बताया कि अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में एक वेंटिलेटर में यह आग लगी। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि घटना के समय अस्पताल में कुल छह मरीज भर्ती थे।

भिवंडी में मनपा स्कूल के बच्चों को रेनकोट बांटे

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी शहर के धामनकर नाका स्थित मनपा स्कूल क्रमांक 30 के 150 विद्यार्थियों को स्थानीय पूर्व नगरसेवक संतोष शेट्टी ने रेनकोट बांटे। इस प्राथमिक विद्यालय में इलाके के मजदूर परिवारों के विद्यार्थी पढ़ते हैं। इन विद्यार्थियों को मनपा की ओर से दिए गए यूनिफॉर्म और जूते भी बांटे गए। इस अवसर पर संतोष शेट्टी ने घोषणा की कि इन जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए एक कंप्यूटर कक्ष बनाया जाएगा।

बाढ़ में डूबे 2 भाइयों के परिजनों को 1 लाख की मदद

भिवंडी. भिवंडी तालुका के गोरसाई गांव में एक मध्यमवर्गीय परिवार के दो भाई दुर्भाग्य से नदी की बाढ़ में बह गए और हर जगह शोक फैल गया। स्वर्गीय सागर परशुराम धूमल (33) और स्वर्गीय अक्षय परशुराम धूमल (27) वर्ष, दोनों भाई थे. इस दुख की घड़ी में धर्मराजा ग्रुप ने सागर धूमल और अक्षय धूमल के परिवार को एक लाख की आर्थिक सहायता दी है.

दो सगे भाइयों की मौत से धूमल परिवार पर दुखों का बहुत बड़ा पहाड़ टूट पड़ा है. उनके परिवार में उनकी दादी गंगूबाई गणू धूमल, माता नागुबाई परशुराम धूमल, भाई सुभाष परशुराम धूमल, स्वर्गीय सागर धूमल की पत्नी दीपिका सागर धूमल, स्वर्गीय सागर धूमल की बेटी वेदांशी सागर धूमल (उम्र 1 वर्ष), सुभाष धूमल की पत्नी भाग्यश्री सुभाष धूमल, सुभाष धूमल के बेटे कौशल

सुभाष धूमल (उम्र 7 वर्ष), उनकी विधवा बहन जो वर्तमान में उनके घर में रहती हैं श्रीमती जयश्री सर्वेश भोईर और भतीजी दीक्षिता सर्वेश भोईर (उम्र 17 वर्ष) एक बड़े परिवार में हैं। डेढ़ साल पहले, परिवार के कमाने वाले उनके पिता स्वर्गीय परशुराम गणु धूमल का भी निधन हो गया था और अब इन दो सगे भाइयों की मौत से इस धूमल परिवार पर दुखों का बहुत बड़ा पहाड़ टूट पड़ा है और अब परिवार के उपरोक्त 9 लोगों की बड़ी जिम्मेदारी अपने परिवार में इन दोनों मृतक भाइयों में सबसे बड़े बेरोजगार सुभाष परशुराम धूमल (47) पर आ गई है।

ठाणे के 'भाई' और नवी मुंबई के 'दादा' से परेशान

आयुक्त कैलास शिंदे के तबादले की अटकलें तेज़!

- ठाणे के जिलाधिकारी बनाए जाने की संभावना

नवी मुंबई. नवी मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे का तबादला जल्द हो सकता है ऐसी चर्चाएं इन दिनों राजनीतिक गलियारों में तेज़ी से फैल रही हैं। ठाणे के 'भाई' और नवी मुंबई के 'दादा' की राजनीतिक दबावगिरी से तंग आकर शिंदे को पदमुक्त किए जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

सूत्रों की मानें तो आयुक्त शिंदे बीते कुछ महीनों से विभिन्न विकास परियोजनाओं, प्रशासनिक फैसलों और भ्रष्टाचार विरोधी कार्रवाईयों को लेकर भारी राजनीतिक दबाव में काम कर रहे हैं। माना जा रहा है कि यही वजह उनके संभावित तबादले की पृष्ठभूमि तैयार कर रही है।

राज्य प्रशासन से जुड़े विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, ठाणे के मौजूदा जिलाधिकारी इसी महीने सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनकी जगह डॉ. कैलास शिंदे को ठाणे जिलाधिकारी के तौर पर नियुक्त किए जाने की प्रबल संभावना है। यदि ऐसा होता है तो नवी मुंबई मनपा को नए आयुक्त की तलाश करनी पड़ेगी।फिलहाल सरकार की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज है।अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या शिंदे फिर से ठाणे लौटते हैं या उन्हें राज्य सरकार किसी अन्य रणनीतिक पद पर भेजती है।

स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा बनाने का फैसला रुका

मुंबई. महाराष्ट्र सरकार ने हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लाने का फैसला फिलहाल रोक दिया है। महाराष्ट्र में पहली से पांचवीं कक्षा के लिए हिंदी को तीसरी भाषा के तौर पर लागू किया जाना था। लेकिन सोमवार रात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक के बाद इस पर रोक लग गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक अंतिम फैसले से पहले साहित्यिक दिग्गजों, विषय विशेषज्ञों और नेताओं से विचार-विमर्श किया जाएगा। माना जा रहा है कि स्थानीय निकाय चुनावों के निकट आने के चलते प्रदेश सरकार ने यह फैसला रोका है।

हो रहा है तगड़ा विरोध

महाराष्ट्र में यह फैसला काफी अहम माना जा रहा है। कक्षा एक से पांचवीं तक में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लागू करने को लेकर यहां काफी विरोध हो रहा है।

राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने इस फैसले का विरोध किया है। गौरतलब है कि आगामी स्थानीय चुनाव के लिए भाजपा और शिवसेना (शिंदे) मनसे को अपने साथ लाना चाहते हैं। विपक्ष ने कहाकि यह कदम भाजपा का है। वह प्रदेश में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में थोपना चाहती है। सिर्फ राजनीतिक तबकों ही नहीं, बल्कि साहित्य से जुड़े लोग भी इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। साल 2021 में अपनी कविता के लिए राज्य पुरस्कार से सम्मानित कवि हेमंत दिवाते ने कहाकि अगर हिंदी लागू की गई तो वह अपना पुरस्कार लौटा देंगे।

दूसरी बार पीछे हटी सरकार

यह दूसरी बार है जब प्रदेश सरकार को तीसरे भाषा के रूप में हिंदी को लागू करने को लेकर पीछे हटना पड़ा है। इसी साल अप्रैल में एक सरकारी निर्णय जारी हुआ था। इसमें कहा गया कि हिंदी तीसरी भाषा होगी और यह कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए अनिवार्य होगी। हालांकि मनसे और अन्य लोगों के विरोध के बाद सरकार ने यह फैसला रोक दिया। 17 जून को राज्य ने एक संशोधित आदेश जारी हुआ। इसमें सरकार ने तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य हिंदी शब्द को हटा दिया। इसके बदले छात्रों को किसी अन्य भाषा का विकल्प चुनने का अवसर दिया, बशर्ते कम से कम 20 छात्रों ने उसके लिए विकल्प चुना हो।

पत्नी की हत्या करने वाले को उम्रकैद

- कोर्ट ने कहा- हमदर्दी के लायक नहीं

ठाणे. 75 साल के एक आदमी को अपनी पत्नी की हत्या के लिए दोषी ठहराया गया है। वह आदमी ठाणे का रहने वाला है। उसने अपनी पत्नी का गला एक काले धागे से घोंट दिया था। आरोप है कि उसने कई महीनों तक उसे दवाइयां नहीं दीं। उसे भूखा रखा ताकि वह अपनी संपत्ति उसके नाम कर दे। अदालत ने शख्स को उम्रकैद की सजा सुनाई है। जज ने कहा, 'यह सिर्फ एक हत्या नहीं थी। यह देखभाल करने के भरोसे का फायदा उठाना था। यह एक सोची-समझी साजिश थी। वह महिला संपत्ति के रास्ते में आ रही थी, इसलिए उसे हटा दिया गया।' जज ने इस बात पर जोर दिया कि यह मामला सामान्य हत्या से कहीं ज़्यादा गंभीर है।

दोषी का नाम शोभनाथ राजेश्वर शुक्ला है। वह एक रिटायर्ड सिक्योरिटी गार्ड है। वह अपनी पत्नी शारदा शुक्ला के साथ वागले एस्टेट में एक दो कमरे की चॉल में रहता था। दोनों के बीच संपत्ति को लेकर झगड़ा होता रहता था।

'जन नायकन' से फिल्मों को अलविदा कहेंगे विजय

- आखिरी फिल्म के लिए एक्टर को मिली 275 करोड़ रुपये फीस!

साउथ एक्टर थलापति विजय की आखिरी फिल्म 'जन नायकन' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक विजय ने 'जन नायकन' के लिए 275 करोड़ रुपए की फीस ली है। हालांकि, उन्हें फिल्म के प्रॉफिट में कोई हिस्सा नहीं मिलेगा।

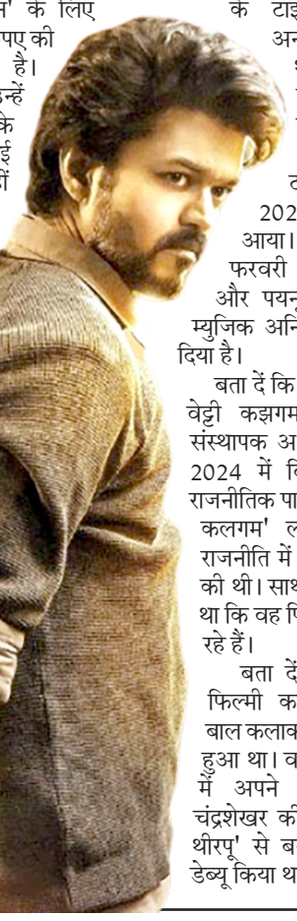

'जन नायकन' को एच विनोद ने डायरेक्ट और केवीएन प्रॉडक्शंस प्रोड्यूस किया है। विजय के साथ फिल्म में पूजा हेगड़े और बॉबी देओल मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि ममिथा बैजू, गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज, नारायण और प्रियमणि सपोर्टिंग रोल्स में नजर आएंगे।

फिल्म को पहली बार सितंबर 2024 में 'थलापति 69' के टाइटल के साथ अनाउंस किया गया था, क्योंकि यह विजय की 69वीं फिल्म है। आधिकारिक टाइटल जनवरी 2025 में सामने आया। इसकी शूटिंग फरवरी 2025 से चेन्नई और पयनूर में शुरू हुई। म्युजिक अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है।

बता दें कि विजय 'तमिलगा वेट्री कझगम' (TVK) के संस्थापक अध्यक्ष हैं। फरवरी 2024 में विजय ने अपनी राजनीतिक पार्टी 'तमिलगा वेत्रि कलगम' लॉन्च करते हुए राजनीति में आने की घोषणा की थी। साथ ही उन्होंने कहा था कि वह फिल्मों से दूरी बना रहे हैं।

बता दें कि विजय का फिल्मी करियर 1984 में बाल कलाकार के रूप में शुरू हुआ था। वहीं उन्होंने 1992 में अपने पिता एस. ए. चंद्रशेखर की फिल्म 'नालैया थीरपू' से बतौर लीड एक्टर डेब्यू किया था।

ठाणे जिला सूचना अधिकारी कार्यालय की छत पर अनोखा उद्यान

ठाणे. सरकारी कार्यालय का मतलब है धूल भरी फाइलें, बेजान दीवारें और घुटन भरा माहौल लेकिन जिला सूचना अधिकारी कार्यालय में इन सभी छवियों को तोड़ने की कोशिश की गई है। कार्यालय की छत पर एक सुंदर अभिनव पर्यावरण-अनुकूल उद्यान बनाया गया है। जिला सूचना कार्यालय में एक अनोखे उद्यान की हर जगह चर्चा हो रही है। यह सिर्फ एक उद्यान नहीं है, बल्कि जागरूकता का एक आदर्श उदाहरण है जो लकड़ी और प्लास्टिक को संसाधनों में बदल देता है। वस्तुओं को रिसाइकिल करके छत पर एक हरा-भरा और प्रेरणादायक उद्यान बनाया गया है। इस उद्यान में ट्रेसिना, एलीफेंट ईयर, स्नेक प्लांट, हेनेकेनी, जासवंद, लेमन ग्रास और 45 प्रकार के विभिन्न पेड़ यहां देखने को मिलेंगे। पर्यावरण प्रेमी विजयकुमार कट्टी ने इस पहल के पीछे की बारीकियों को बताते हुए कहा मैं इस उद्यान के माध्यम से दिखा रहा हूं कि हर वस्तु को फेंकने के बजाय, हम उसे दूसरा जीवन दे सकते हैं। यहां हर पौधा प्रकृति के साथ संवाद करना सिखाता है।

> "इस रूफटॉप गार्डन मॉडल को स्कूलों, कॉलेजों, ग्रामीण क्षेत्रों, हाउसिंग सोसाइटियों और सरकारी इमारतों में आसानी से लागू किया जा सकता है। पर्यावरण संरक्षण के लिए यह क्रिया-आधारित दृष्टिकोण 'सोच से कार्रवाई' की ओर ले जाएगा।
> **-मनोज सानप**
> (जिला सूचना अधिकारी)

उद्यान की विशेषताएं

छत पर पर्यावरण के अनुकूल डिजाइन, लकड़ी, प्लास्टिक और कपड़ों का उपयोग करके कार्यालय क्षेत्र में गर्मी को कम करने वाले पेड़ों का डिजाइन, प्राकृतिक मच्छर भगाने वाले पौधों को शामिल करना उद्यान का उद्देश्य हरियाली पैदा करना नहीं है बल्कि कचरे के प्रति लोगों के दृष्टिकोण को बदलना, जागरूकता पैदा करना और समाज में सकारात्मक परिवर्तन करना है।

रिक्शा चालकों की ऑनलाइन शिकायत के लिए व्हाट्सएप नंबर

ठाणे. 23 जनवरी 2025 को हुई बैठक में मुंबई महानगर क्षेत्र परिवहन प्राधिकरण ने ऑटोरिक्शा सीएनजी के किराए में 1.5 किलोमीटर के लिए न्यूनतम 26 रुपये की वृद्धि को मंजूरी दी है। इस मीटर किराए के अनुसार इस कार्यालय के अधिकार क्षेत्र के भीतर सभी शेयर-ए-ऑटोरिक्शा मार्गों पर शेयर किराए की गणना की गई है। इसलिए निर्धारित किराए से अधिक किराया मांगने वाले ऑटोरिक्शा चालकों के खिलाफ ऑनलाइन शिकायत के लिए मोबाइल नंबर 9423448824 (व्हाट्सएप) उपलब्ध कराया गया है।

यदि कोई ऑटोरिक्शा चालक अतिरिक्त किराया वसूलना, अतिरिक्त यात्रियों को ले जाना, किराया देने से इनकार करना, यात्रियों के साथ अभद्र व्यवहार करना, गाली-गलौज करना आदि मोटर वाहन नियमों का उल्लंघन कर कोई अपराध करता है, तो यात्री को उपरोक्त व्हाट्सएप नंबर 9423448824 पर अपराध का स्थान, दिनांक, समय और फोटो आदि के साथ शिकायत दर्ज करनी चाहिए। उस शिकायत का संज्ञान लेते हुए ऑटोरिक्शा चालक के खिलाफ मोटर वाहन नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी, कल्याण उप आरटीओ अधिकारी आशुतोष बारकुल ने जानकारी दी है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099